ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2019; SP7: 129-131

Dr. Vibekanand Singh
Principal, Gulam Nabi Azad College of Physical Education, Nagpur, Maharashtra, India

(Special Issue-7)
"International Conference on Science and Education: Problems, Solutions and Perspectives"
(3rd June, 2019)

राष्ट्रीय समाचार पत्र में खेल समाचारों के अध्ययन का महत्त्व

Dr. Vibekanand Singh

सारांश
अखबारों में खेलकूद के कॉलम बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। अखबारों के किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में खेल के पन्नों में शायद अधिक सार्वभौमिक पाठक रुचि है। दुनिया भर में खेलों ने मनोरंजक पहलू से परे एक महत्व ग्रहण कर लिया है। यह अध्ययन मुख्य रूप से भारतीय मुख्य धारा के प्रिंट मीडिया में खेलों के कवरेज के रुझानों को ट्रैक करने और उनके बीच तुलनात्मक विश्लेषण को सामने लाने के लिए मुख्य रूप से चयनित मुख्यधारा के दैनिक समाचार पत्रों के मात्रात्मक सामग्री विश्लेषण पर आधारित है। खेल पत्रकारिता न्यूज़ रूम के "टॉय बॉक्स" या "सैंड बॉक्स" से कहीं अधिक है। संगीत की तरह, खेल में संस्कृतियों और समाजों को पार करने की महान क्षमता होती है।

कूटशब्द: समाचार पत्र, मीडिया, खेल, तुलनात्मक

प्रस्तावना
खेल एक वैश्विक भाषा है जो एक स्थिर और स्थिर आम जमीन लाती है। कलाकारों के प्रयासों के प्रिंट मीडिया कवरेज ने एथलीटों के बारे में जानकारी प्रदान करने और समाज से प्रतिक्रिया प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खेल के मीडिया कवरेज का पहलू वह तरीका रहा है जिसमें इसने समुदाय को एथलीटों के उत्कृष्ट योगदान को पहचानने की अनुमति दी है। सभी व्यावसायिक टेलीविजन, रेडियो और सार्वजनिक प्रसारक महत्वपूर्ण खेल कवरेज भी प्रदान करते हैं। खेल एक कारक या एक मीडिया या एक एजेंट या एक बल है जो व्यक्तियों को मानवीय और सामाजिक बनाता है। वह समाजीकरण के आधार पर सामाजिक हो जाता है और समाजीकरण के माध्यम से हम एक स्वीकृत जीवन शैली का नेतृत्व करते हैं। खेल पूरी दुनिया के लिए सामान्य गतिविधि है। विश्व कप, ओलंपिक खेल और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता राष्ट्रों की विभिन्न संस्कृतियों को प्रदर्शित और प्रतिबिंबित करती हैं। मानव संबंधों में उच्च स्तर की उपलब्धि के लिए ओलंपिक खेलों और विश्व स्तरीय मैचों और टूर्नामेंटों की समीक्षा की गई। वे दुनिया में संबंधित संस्कृतियों का निर्माण, पुनर्निर्माण और समीक्षा करेंगे। समाचार पत्र खेल रिपोर्टिंग का विकास, और खेल पृष्ठों का निरंतर विस्तार, टेलीविजन के प्रभाव के साथ मेल खाता था, और कम से कम आंशिक रूप से इसका परिणाम था। व्यापक खेल प्रसारण के उद्भव का मतलब था कि अखबारों ने खेल की कहानी को

Correspondence
Dr. Vibekanand Singh
Principal, Gulam Nabi Azad College of Physical Education, Nagpur, Maharashtra, India

फिर से बताने पर कम प्रयास किया। इस प्रकार, 'अखबारों के लिए खिलाड़ियों को उन कहानियों के साथ आना पड़ा है जो कार्रवाई और स्कोर से परे हैं'। अधिक विश्लेषण, अधिक साक्षात्कार, और खेल के व्यवसाय जैसे क्षेत्रों के अधिक कवरेज के साथ मैदान से बाहर खेल के मुद्दों में रुचि बढ़ी है। समाचार पत्रों को अब अप-टू-डेट परिणाम और आँकड़े प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ये अन्य मीडिया जैसे कि टेलीविजन या इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध हैं। नतीजतन, अखबारों की खेल कहानियां अब अधिक गहन कवरेज प्रदान करती हैं जो रेडियो या टेलीविजन के लिए अलग है, लेकिन पूरक है।

समाचार पत्रों के खेल पृष्ठ उन घटनाओं के महत्व को दर्शाते हैं जो इतनी बार प्रसारित की जाती हैं। खेल पृष्ठ आयोजन के लिए प्रशंसक को तैयार करते हैं। खेल आयोजन के लिए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, रणनीतियों और ऐतिहासिक संदर्भ के बारे में 'अंदरूनी गपशप' द्वारा खेल आयोजन को महत्व दिया जाता है। प्रतियोगिता खेले जाने के बाद, खेल पृष्ठ इन्हीं विषयों को दोहराते हैं, खेल और उसके नायकों को एक 'फंतासी दुनिया' में रखते हैं, जिसे बनाने में खिलाड़ियों और पाठकों दोनों का हाथ रहा है। प्रिंट मीडिया आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। मीडिया खेल संचार के साथ खेल का एक नया सांस्कृतिक संलयन बन गया। मीडिया के माध्यम से खेल की भावनाओं, मूल्यों, प्राथमिकताओं को आम दर्शकों तक पहुँचाया जाता है। प्रिंट मीडिया हमें रोजमर्रा की जिंदगी की घटनाओं को अधिक यथार्थवादी तरीके से देखने में मदद करता है जो हमें घटना के बारे में गहराई से सोचने के लिए मजबूर करता है। हम एक दैनिक समाचार पत्र को उसके खेल कवरेज के बिना नहीं सोच सकते। ऐसे में विभिन्न लोकप्रिय और कम लोकप्रिय समाचार पत्र प्रतियोगिता और खेल कार्यक्रम की विभिन्न तीव्रता, संबंधित खिलाड़ियों, उनके जीवन, उनके प्रदर्शन को कवर कर रहे हैं। इसलिए हम सभी के लिए अखबारों में खेल से जुड़ी खबरों को पढ़ना काफी जरूरी है।

नतीजतन पाठक खेल आयोजनों पर अधिक से अधिक पढ़ने की मांग कर रहे हैं, यही कारण है कि समाचार पत्र खेलों के प्रचार और प्रचार में एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं इसलिए यह अध्ययन किसी विशेष खेल के लिए समर्पित स्थान और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय को दिए गए महत्व का पता लगाने में सहायक है।

1. साहित्य की समीक्षा

शौरीनी बैनर्जी (2016) ने अपने पत्र, "कर्नाटक के दो अंग्रेजी दैनिकों में महिलाओं के खेल का कवरेज: एक तुलनात्मक अध्ययन" में देखा कि "महिला खेल उपेक्षित हैं। खेल श्रेणियां क्रिकेट से संबंधित खबरों से भरपूर हैं। कई ख्याति के बावजूद अन्य खेलों को समाचार पत्रों की खबरों में वह स्थान नहीं मिलता है। महिला एथलीट अपनी उपलब्धियों के साथ ऊंची उड़ान भर रही हैं, फिर भी समाचारों में उनके लिए पर्याप्त जगह नहीं है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि महिला खिलाड़ियों की तस्वीरें काफी कम हैं। राष्ट्रीय खेलों और कुछ अन्य खेल आयोजनों को छोड़कर, महिला एथलीटों की तस्वीरों को समाचार पत्रों में जगह नहीं मिली।

2. शोध के उद्देश्य

फुटबॉल, टेनिस जैसे अन्य खेलों की तुलना में क्रिकेट के सापेक्ष कवरेज का पता लगाने के लिए। दो नमूना समाचार पत्रों में खेलों के तुलनात्मक कवरेज का विश्लेषण करना और समझना। मुख्य धारा के प्रिंट मीडिया में विभिन्न खेलों के कवरेज के रुझानों का विश्लेषण करना;

नतीजे और चर्चाएं

नमूना अवधि के लिए द टाइम्स ऑफ इंडिया में खेल कवरेज के रुझानों का विश्लेषण तालिका 1 में निर्धारित किया गया है। नीचे दिए गए आंकड़ों से स्पष्ट रूप से स्पष्ट है कि क्रिकेट को अधिकतम कवरेज प्राप्त हुआ है। कुल 249 में से 118 क्रिकेट के बारे में थे। इन 118 क्रिकेट काउंट में से 91 आईपीएल काउंट थे। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अन्य खेलों की तुलना में आईपीएल को अधिक कवरेज मिला। अखबार द्वारा किए गए कुल कवरेज का 47% क्रिकेट को मिला। अकेले आईपीएल को कुल कवरेज का 37% मिला जो कुल कवरेज का एक तिहाई से अधिक है और इसलिए यह स्पष्ट है कि इस अवधि के दौरान क्रिकेट सबसे अधिक कवर किया जाने वाला खेल है।

इस अवधि के दौरान फुटबॉल को दूसरा सबसे अधिक कवरेज मिला। फुटबॉल को कुल कवरेज का 29% मिला। कुल 73 फुटबॉल में से 43 अंतर्राष्ट्रीय और 30 राष्ट्रीय हैं। इससे पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को राष्ट्रीय फुटबॉल आयोजनों की तुलना में अच्छा कवरेज मिलता है, यह राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख फुटबॉल आयोजनों की कमी और भारत में दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल की लोकप्रियता की कमी की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है।

टेनिस को कुल कवरेज का केवल 9% मिला। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन यह था कि सभी
22 गिनती अंतरराष्ट्रीय थी और इसलिए यह स्पष्ट है कि समाचार पत्रों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर टेनिस शायद

ही कवरेज के योग्य है। अन्य को कुल कवरेज का 15% मिला, इसमें से अधिकांश गिनती अंतर्राष्ट्रीय थी। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और शहरी कवरेज के संदर्भ में, कुल 249 में से 144 राष्ट्रीय, 93 अंतर्राष्ट्रीय और शहर केवल 12 थे। राष्ट्रीय और कुल कवरेज की शर्तें। नमूना अवधि के लिए समाचार पत्रों में खेल कवरेज के रुझानों का विश्लेषण तालिका 2 में निर्धारित किया गया है। नीचे दिए गए आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि क्रिकेट को अधिकतम कवरेज प्राप्त हुआ है। कुल 97 में से 66 क्रिकेट के बारे में थे। इन 66 क्रिकेट काउंट में से 38 आईपीएल काउंट थे। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अन्य खेलों की तुलना में आईपीएल को अधिक कवरेज मिला। अखबार द्वारा किए गए कुल कवरेज का 68% क्रिकेट को मिला। अकेले आईपीएल को कुल कवरेज का 39% मिला जो कुल कवरेज का एक तिहाई से अधिक है और इसलिए यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट है कि इस अवधि के दौरान क्रिकेट सबसे अधिक कवर किया जाने वाला खेल है।

चौंकाने वाली बात यह है कि फुटबॉल और टेनिस को क्रमश: केवल 4% और 7% कवरेज मिला। अन्य को कुल कवरेज का 21% मिला, इसमें से अधिकांश गिनती अंतर्राष्ट्रीय थी।

निष्कर्ष

नमूना समाचार पत्रों का अध्ययन स्पष्ट रूप से इस दृष्टिकोण को मजबूत करता है कि क्रिकेट भारत में सबसे लोकप्रिय खेल है और प्रिंट मीडिया द्वारा सबसे अधिक कवर किया जाने वाला खेल भी है। दोनों अखबारों ने क्रिकेट और आईपीएल को सबसे ज्यादा कवरेज दी। देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी खेलों का उचित कवरेज महत्वपूर्ण है। चूंकि अंग्रेजी की तुलना में हिंदी भाषा के समाचार पत्रों की पहुंच और प्रसार अधिक है, इसलिए हिंदी समाचार पत्रों को भी खेल कवरेज पर अधिक ध्यान देना चाहिए और खेल पृष्ठों की संख्या में वृद्धि करने के साथ-साथ क्रिकेट से संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों को पर्याप्त कवरेज देना चाहिए। .

इसके अलावा, मुख्यधारा के समाचार पत्रों के खेल पृष्ठों पर एक नजर डालने से पता चलता है कि समय के साथ-साथ खेल समाचार को रोचक बनाने के लिए समाचार प्रस्तुति में नवीन विशेषताओं को शामिल करके खेल पत्रकारिता की अवधारणा विकसित हुई है। टेलीविज़न और न्यू मीडिया जैसे दृश्य मीडिया के आगमन के कारण बाजार प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के जवाब में, समाचार पत्रों ने दृश्य अपील को बढ़ाने के लिए चित्रों और ग्राफिक्स के उपयोग में वृद्धि की। समाचार को रोचक बनाने के लिए और पाठक को खींचने के प्रयास में, खेल पृष्ठों ने खेल से संबंधित समाचार सामग्री के स्पेक्ट्रम को चौड़ा कर दिया। विवादों की जांच की जाती है, ऑफ और ऑन फील्ड समाचार एकत्र किए जाते हैं और खेल की कहानियों में मसाला लाने की सूचना दी जाती है।

संदर्भ सूची

1. श्री. पावडे सतीश, युगवाणी, श्रीपाद महादेव माटे जन्मशताब्दी विशेषांक नागपूर, मनोहर मौसाळकर, सरचिटणीस, विदर्भ साहित्य संघ, सिताबर्डी, १९८६. पृष्ठ क्र. ४२
2. श्री. रेगे गजानन मंगेश, जाहिरात कला आणि कल्पना, दुसरी आवृत्ती मुंबई आशुतोष प्रकाशन, १९८७, पृष्ठ क्र. ६
3. पी.डी.पाठक, "शिक्षा मनोविज्ञान" (विनोद पुस्तक मार्केट आगरा) मदन, जी.आर., 'समाजकार्य, विवेक प्रकाशन. ७ यू.ए. जवाहर नगर, दिल्ली-७, पृष्ठ १२७, २००६
4. णे सिटी इन्फरमेशन गाईड (२००८), तृतीय कॉमनवेल्थ युथ गेम्स मार्गदर्शिका पृष्ठ क्र. १८.
5. तिवारी, शारदा, शिक्षा का समाजशास्त्र, अर्जुन पब्लिकेशिंग हाऊस, ४३३१ / २४, प्रल्हाद गली, अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली- ११०००२.
6. गुप्ता, लक्षता, 'भारतीय समाज और शिक्षा', वंदना पब्लिकेशन, द्वितीय तल, जे.एम.डी. हाऊस, ४बी, अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली- ११०००२, २००६